

Ordinance

MAGO (M.A. Geography)

A brief note on the Innovation and the Employability

6. Now a days Geography has become a very useful subject in various competitive examinations including Civil Services and Rajasthan Administrative Services.
7. Geography not only deals with the physical, economic and social conditions of the World, India. Uttar Pradesh but now its nature has become applied and it is helpful in solving the environmental and urban problems.
8. Geography provides a background for the regional planning in development and help in sustainable development.
9. The modern techniques of Geographical analysis such as Remote Sensing. GIS,GPS etc. are helpful in Resource and Environmental Management and Disaster Management.
10. Geography provide an opportunity of employment in various fields,
The important are:
 - m. Teaching and Research;
 - n. Town Planning Departments;
 - o. Regional Planning;
 - p. Remote Sensing;
 - q. Statistical Departments;
 - r. Urban/Rural/Agricultural Planning;
 - s. Water Resource Departments;
 - t. Demographic Study Departments &
 - u. Administrative Services- Central and State Governments.

M.A./M.Sc. (GEOGRAPHY)

SCHEME OF EXAMINATION- 2018

Each Theory Paper 3 Hrs. duration

Max. Marks : 100 Marks

Dissertation/Thesis/Survey Report/ Field work, if any 100 marks

3. The number of paper and the maximum marks for each paper, practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the Assignment part (wherever prescribed) of a subject/Paper separately.
4. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examination shall be required to obtain (i) at least 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination. No division will be awarded at the Previous Examination; Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together, as noted below:

The evaluation system of the programme will be based on two components:

- (a). Continuous evaluation in the form of periodic assignments, mid-term tests etc., with a weightage of 30%.
- (b). Semester-end examination, with a weightage of 70%.

The division shall be awarded to a successful candidate at the end of his examination On the basis of their aggregate marks in all papers/courses as per following break-up.

First Division	60% or above
Second Division	48% or more but less than 60%

Third Division

36% or more but less than 48%

Each course will carry 100 marks out of which the written paper shall consist of 70 marks and 30 marks shall be allotted for the candidate's performance in the sessional works, i.e. mid-term tests, assignments etc. To pass, the candidate must obtain a minimum of 36% marks in each course of study, practical and project examination separately. A candidate is required to pass both in Assignments and Term-end examination individually. The candidate having marks less than aggregate 36% shall be declared as 'failed'.

Note: If any candidate have back paper/papers in M.A. programme then they will eligible to give that paper/papers only in the next session.

5. The Thesis/ Dissertation/Survey Report : Field Work shall be typed & written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Controller of Examination at least 3 weeks before the commencement of the theory examination. Only, such candidates shall be permitted to offer. dissertation/Field work/Survey report. Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured at least 55% marks in the aggregate of all scheme, irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

M.A. Geography

स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम (एम0ए0)

Master of Arts Programme (M.A.)

कार्यक्रम कोड/Programme Code	: 201	कार्यक्रम अवधि (वर्षों में) Programme Duration (in yrs.)	: न्यूनतम Minimum	: 2 अधिकतम Maximum	: 4
कार्यक्रम माध्यम/Medium of Instruction	: हिन्दी/Hindi	कार्यक्रम शुल्क प्रतिवर्ष/ Programme Fee Per Year	: 8000+100/-		
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता/ Minimum Qualification for Admission	: स्नातक (तीन वर्षीय)/Three years Bachelor Degree With Geography Or Geography Hons.	अधिन्यास कार्य/Assignment Work	: आवश्यक/Essential		

There will be three compulsory papers in both the year and one elective discipline centric paper in both the year. With the core course there will be one paper from other discipline in both the year and one Paper of Non Credit Compulsory foundation course in second year. Each of the papers will be of 100 (30+70=100) Marks. Each theory paper will be of three hours duration. Candidates. will be required to pass both in Theory and Assignment separately for qualifying the programme.

भूगोल(GEOGRAPHY) MAGO

Year/ वर्ष	Course Code/ पाठ्यक्रम कोड		Title of Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक		Credits/क्रेडिट		Compulsory/ Elective अनिवार्य / वैकल्पिक
Compulsory Core Course /विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम							
1 st sem.	MAGO-101		भू-आकृति विज्ञान (Geomorphology)		6		अनिवार्य
	MAGO-102		भारत भौगोलिक आधार एवं आयाम		6		अनिवार्य
	MAGO-103		आर्थिक भूगोल के मूल तत्व		6		अनिवार्य
2 nd sem.	MAGO-104		संसाधन भूगोल		6		अनिवार्य
	MAGO-105		जलवायु विज्ञान		6		अनिवार्य
	MAGO-106		समुद्र विज्ञान		6		अनिवार्य
3 rd sem.	MAGO-107		जनसंख्या भूगोल		6		अनिवार्य
	MAGO-108		भौगोलिक चिन्तन के मूलाधार		6		अनिवार्य
	MAGO-109		पर्यावरण प्रबन्धन एवं संविकास		6		अनिवार्य
4 th sem.	MAGO-110		मानचित्र कला एवं सांख्यिकी विधिया		6		अनिवार्य
	Group 1	MAGO-111	परिवहन भूगोल		6	12	अनिवार्य
		MAGO-112	राजनीतिक भूगोल		6		अनिवार्य
	OR						
	Group 2	MAGO-113	परियोजना कार्य		6	12	अनिवार्य
		MAGO-114	परियोजना कार्य आधारित मौखिकी		6		अनिवार्य

MAGO-101भू-आकृतिक विज्ञान

खण्ड-01 भू-आकृतिक विज्ञान का परिचय

- इकाई 01—भू आकृति विज्ञान की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, मौलिक संकल्पनाएं
इकाई 02—पृथ्वी की आन्तरिक संरचना, महाद्वीप एवं महासागरों की उत्पत्ति के सिद्धान्त
इकाई 03—भू- संतुलन का सिद्धान्त भू-संचलन तथा तज्जनित आकृतियाँ (अन्तर्जात एवं बहिर्जात बल),
इकाई 04—ज्वालामुखी ज्वालामुखी क्रिया एवं स्थलाकृतियाँ,
इकाई 05—चट्टान एवं उनका वर्गीकरण

खण्ड- 02 उच्चावच एवं अपक्षय-अपरदन

- इकाई 06—प्लेट विवर्तनिक सिद्धान्त, भूकम्प एवं ज्वालामुखी कारण, विश्व वितरण एवं सम्बन्धित भू आकृतिया।
इकाई 07— पर्वत निर्माण के सिद्धान्त
इकाई 08— अपक्षय एवं अपरदन, अपक्षय को प्रभावित करने वाले कारक
इकाई 09—अपरदन के कारक, सामान्य अपरदन चक्र
इकाई 10— अपवाह प्रणाली एवं अपवाह प्रतिरूप, डेविस एवं पेंक का अपरदन चक्र

खण्ड- 03 भूआकारिकी

- इकाई 11—जलीय भू- आकारिकी और कार्स्ट भूआकारिकी
इकाई 12—तटीय भूआकारिकी
इकाई 13— शुष्क (पवन) भूआकारिकी तथा हिमानी भूआकारिकी
इकाई 14— प्रादेशिक भू आकृति की – कुमायूं हिमालय, गंगा मैदान, छोटा नागपुर पठार

खण्ड- 04 व्यावहारिक भू-आकृति

- इकाई 15—ढाल विश्लेषण –ढाल का वर्गीकरण, ढाल विकास के माडल
इकाई 16—ढाल विश्लेषण (वेन्टवर्थ विधि) आकार मिति विश्लेषण, पार्श्विका—क्रमिक, अध्यारोपित, मिश्रित,
इकाई 17—व्यावहारिक भू-आकृति विज्ञान, मानव जनित भू-आकारिकी विज्ञान
इकाई 18—जलवायु परिवर्तन एवं भू आकारिकी,
इकाई 19—प्रादेशिक नियोजन में भू-आकृति विज्ञान का उपयोग

सन्दर्भ ग्रन्थ

- प्रो. जगदीश सिंह एवं के.एन. सिंह – भौतिक भूगोल ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
- प्रो. सविन्द्र सिंह – भू- आकृति विज्ञान का स्वरूप प्रवालिका पब्लिकेशन्स, यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद
- R.N. Tikkaa- भौतिक भूगोल का स्वरूप
- Thornbury – Principles of Geomorphology
- R.L. Singh – Elements of Practical Geography N.G.S.I. Varanasi

MAGO-102भारत का भूगोल

खण्ड-01 भारत भूगोल

- इकाई 01—सामान्य परिचय, भौमिकीय संरचना, भौतिक प्रदेश, अपवाह तन्त्र
इकाई 02—जलवायु, प्रमुख विशेषताएं, मानसून की उत्पत्ति एवं संकल्पना
इकाई 03— एल नीनो, ला नीना, जलवायु प्रदेश
इकाई 04—मिट्टी : प्रकार एवं वितरण, वनस्पति प्रकार एवं वितरण।

खण्ड 02—सिंचाई एवं कृषि

- इकाई 01— सिंचाईबहु—उद्देशीय परियोजनाएँ, जलागम क्षेत्र विकास
इकाई 02— कृषि, कृषि—जलवायुविक प्रदेश, शस्य संयोजन प्रदेश
इकाई 03—भारत में हरित क्रान्ति, हरित क्रान्ति के पर्यावरणीय प्रभाव,
इकाई 04—पर्यावरणीय कृषि, भारत में खाद्यान्न सुरक्षा, भारत की कृषि नीति

खण्ड 03—खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

- इकाई 01—खनिज, लौह—अयस्क, अभ्रक, कोयला
इकाई 02—पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, जलविद्युत
इकाई 03— परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा संरक्षण, हरित ऊर्जा
इकाई 04—उद्योग — लौह—इस्पात, वस्त्र उद्योग, चीनी उद्योग, औद्योगिक प्रदेश, प्रादेशिक असमानता एवं विकास ।

खण्ड 04—जनसंख्या

- इकाई 01—जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण, जनसंख्या की संरचना—आयु, लैंगिक
इकाई 02—जनसंख्या नीति, नगरीकरण की प्रकृति, नगरीकरण जन्म समस्याएं, भारत की नगरीकरण की नीति
इकाई 03—जनसंख्या एवं पर्यावरण, भारत में संविकास के प्रयास
इकाई 04— अधिवास प्रतिरूप, परिवहन के साधन एवं माध्यम।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

1. प्रो. जगदीश सिंह—भारत: भौगोलिक आधार एवं आयामज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
2. प्रो. आर.सी. तिवारी— भारत का भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन्स
3. Jagdish Singh, India : A Comprehensive and Systematic Geography Gyanodaya Publication Gorakhpur
4. Singh R.L. – India : A Regional Geography, N.G.S.I. Gorakhpur
5. Nag, P. and Sengupta, S.- Geography of India, Concept Publishing Company, New Delhi.

खण्ड 01— आर्थिक भूगोल का परिचय

- इकाई 01— आर्थिक भूगोल की संकल्पना, विषय क्षेत्र, आधारभूत संकल्पनाएं, आर्थिक भूगोल का क्रम विकास एवं बदलती परिभाषाएं,
- इकाई 02— अध्ययन के उपागम, अध्ययन की विधियाँ, आर्थिक भूगोल का अर्थशास्त्र से सम्बन्ध, भू-मण्डलीकरण,
- इकाई 03— 21 वीं शताब्दी में आर्थिक भूगोल का उभरता परिदृश्य
- इकाई 04— खनिज संसाधनों की विशेषताएं एवं उत्खनन को प्रभावित करने वाली दशाएं तथा कारक,
- इकाई 05— विश्व स्तर पर लौह-इस्पात, बाक्साइट, टिन की संचित राशि, उत्पादन, वितरण एवं व्यापार।

खण्ड 02—विश्व में ऊर्जा तथा शक्ति संसाधन

- इकाई 06— विश्व में ऊर्जा तथा शक्ति संसाधन— ऊर्जा के विविध प्रारूप, ऊर्जा की विद्यमान स्थिति तथा परिस्थितियाँ, पेट्रोलियम, विश्व स्तर पर संचित राशि, प्रादेशिक वितरण एवं व्यापार,
- इकाई 07— प्राकृतिक गैस— पर्याप्तता एवं संचित राशि, कोयला संचित राशि, उत्पादन वितरण,
- इकाई 08— जल — विद्युत शक्ति — प्राकृतिक दशाएं, विश्व स्तर पर संभाव्यता एवं उत्पादन का वितरण स्वरूप,
- इकाई 09—ऊर्जा के संभाव्य स्रोत— शिला तेल, अणु ईंधन,
- इकाई 10—नव्यकरणीय ऊर्जा स्रोत— सौर शक्ति, भू-तापीय ऊर्जा, विश्व ऊर्जा संकट, ऊर्जा भविष्यक्षेप तथा संरक्षण।

खण्ड 03—कृषि

- इकाई 11— कृषि के स्थानीयकरण के सिद्धान्त— फॉन थ्यूनेन का सिद्धान्त, आधुनिक सिद्धान्त,
- इकाई 12— कृषि प्रदेश, परिभाषा, सीमांकन के आधार तत्व, उद्भव एवं विकास के कारण,
- इकाई 13— विश्व के कृषि प्रदेश, कृषि प्रदेशों का सीमांकन तथा विशेषताएं
- इकाई 14—यू.एस.ए. के कृषि प्रदेश, चीन के कृषि प्रदेश एवं नवीनतम वैज्ञानिक कृषि प्रदेश।

खण्ड 03—उद्योग एवं औद्योगिकरण

- इकाई 15— वस्तु निर्माण उद्योग, लघु पैमाने के उद्योग, वृहद उद्योग, उद्योगों का स्थानीयकरण,
- इकाई 16—उद्योग स्थानीयकरण के सिद्धान्त— बेवर का सिद्धान्त, बेवर के सिद्धान्तों में परिष्कार, बाजार प्रतिस्पर्धा सिद्धान्त, समन्वित सिद्धान्त,
- इकाई 17— स्थानीयकरण के विभिन्न तत्वों का सापेक्षिक महत्व : बाजार, शक्ति, श्रम, पूँजी तथा उद्योग का स्थानीयकरण
- इकाई 18—औद्योगिक प्रदेश—परिभाषा एवं सीमांकन, औद्योगिकरण का स्तर निर्धारित करने की विधियाँ,
- इकाई 19— विश्व के औद्योगिक प्रदेश— यूरोपीय समुदाय के औद्योगिक प्रदेश, अमेरिका के औद्योगिक प्रदेश एवं जापान के औद्योगिक प्रदेश,
- इकाई 20— आर्थिक विकास, आर्थिक तंत्र के प्रारूप, आर्थिक प्रादेशिकरण— सैद्धान्तिक विवेचन, आर्थिक विकास के सिद्धान्त, आर्थिक प्रदेश और प्रादेशीकरण, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

1. प्रो. जगदीश सिंह— आर्थिक भूगोल के मूलतत्व, ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
2. अलका गौतम— आर्थिक भूगोल के मूलतत्व, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद
3. एस. डी. मौर्य— आर्थिक भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन इलाहाबाद
4. J.W. Alexander- Economic Geography
5. Leong, G.C. and Morgan, G.C. Human and Economic Geography, Oxford University Press Hong Kong.
6. Gautam, A. Aarthik Bhugol Ke Mool Tattava, Sharda pustak Bhawan, Prayagraj.

खण्ड-01 संसाधन भूगोल का परिचय

- इकाई 01— संसाधन का तात्पर्य एवं परिभाषा, मानव का उद्‌विकास तथा संसाधन आधार विस्तार की प्रक्रिया,
इकाई 02— मानव का सम्पूर्ण संसार में प्रसार, मानव द्वारा संसाधन विकास के सोपान, संसाधन एवं संस्कृति का गात्यात्मक सम्बन्ध,
इकाई 03— संसाधन भूगोल का स्वरूप एवं क्रम-विकास, संसाधन भूगोल के उपागम,
इकाई 04— संसाधन भूगोल की मौलिक अवधारणाएँ।

खण्ड-02 संसाधन संकल्पना

- इकाई 05— संसाधन की संकल्पना, संसाधन एवं संस्कृति, संसाधन वर्गीकरण:— प्राकृतिक संसाधन तथा मानव, संसाधन
इकाई 06— पर्याप्तता का सिद्धान्त, संसाधन दुर्लभता की परिकल्पना, वृद्धि की सीमाएँ,
इकाई 07— संसाधन पारिस्थितिकी, संसाधन संरक्षण— संकल्पना, संरक्षण के नियम,
इकाई 08— मिट्टी संसाधन-वर्गीकरण, वितरण, मिट्टी संरक्षण के सामान्य सिद्धान्त, भारत में मिट्टी संरक्षण।

खण्ड-03 जैविक संसाधन

- इकाई 09— जीवीय संसाधन: प्राकृतिक वनस्पति का वर्गीकरण, वितरण एवं वन समुदाय,
इकाई 10— जीवीय संसाधनों का उपयोग, विश्व स्तरीय स्वरूप, लुग्दी तथा कागज उद्योग,
इकाई 11— वनों का दुरुपयोग, जैविक विविधता, वन संरक्षण के सिद्धान्त, भारत में वन संरक्षण,
इकाई 12— जल संसाधन— विश्व स्तर पर जल की सुलभता एवं उपयोग, जल का मानवोपयोग समुद्री जल से मत्स्य उत्पादन तथा वितरण, विश्व स्तर पर सिचाई का स्वरूप, जल संरक्षण।

खण्ड-04 विश्व में जनसंख्या संसाधन एवं प्राविधिकी

- इकाई 13— विश्व में जनसंख्या की वृद्धि एवं वितरण तथा जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त
इकाई 14— जनसंख्या एवं संसाधन अन्तर्सम्बन्ध,
इकाई 15— विश्व में ऊर्जा संकट एवं वैकल्पिक ऊर्जा,
इकाई 16— विश्व के संसाधन प्रदेश— सीमाकन, ध्रुव परिमण्डल, आंग्ल अमेरिका, शीतोष्ण यूरोपीय, अफ्रीकी-एशियाई शुष्क प्रदेश, लैटिन अमेरिका, प्रशान्त महासागरीय प्रदेश, सहारा के दक्षिण स्थित अफ्रीका, मानसून एशिया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- प्रो. जगदीश सिंह “संसाधन भूगोल” ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
- Zimmerman, E.W. Introduction to World Resources.
- Stromger, E. & Davis, J.S. Geography of Resources.
- Ali, S.R. : Resources or Future Economic Groth.
- Janaki. V.A. Economic Geography.
- Dr. Alka Gautam, : Resources Geography.

MAGO-105 जलवायु विज्ञान

खण्ड- 01 जलवायु विज्ञान-परिचय

इकाई 01— जलवायु विज्ञान का अर्थ एवं परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय क्षेत्र

इकाई 02— वायुमण्डल अर्थ एवं महत्व, वायुमण्डल की उत्पत्ति एवं विकास

इकाई 03— वायुमंडल का संघटन एवं संरचना

इकाई 04— सूर्यातप, सूर्यातप का वितरण, सूर्यातप के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक

इकाई 05— सौर विकिरण, पृथ्वी का ऊष्मा बजट, पार्थिव विकिरण

खण्ड- 02 महासागरो के नितल का उच्चावय

इकाई 06— वायुदाब: अर्थ तथा महत्व, वायुदाब तथा पवन, वायुदाब प्रवणता, वायुदाब के प्रकार, वायुमंडलीय गतियाँ

इकाई 07— पवन पेटियाँ, पवन पेटियों का अक्षांशीय विस्थापन, त्रिकोणीय रेखांशिक परिसंचरण

इकाई 08— जेट स्ट्रीम, मौसम पर जेट-स्ट्रीम का प्रभाव, एल निनो-ला निना।

खण्ड- 03 मानसून

इकाई 09— मानसून: परिभाषा, मानसून प्रस्फोट, मानसून के प्रकार तथा वितरण

इकाई 10— भारतीय मानसून की उत्पत्ति, स्थानीय पवनद्व सागर समीर एवं स्थल समीर, पर्वत समीर एवं घाटी समीर, चिनूक, फॉन, हरमट्टान, सिराको, ब्लिजर्ड, आंधी बगूला, लू, सान्ता अना।

इकाई 11— आर्द्रता: अर्थ तथा महत्व, संधनन, कुहरा, एवं प्रकार वर्षण के सिद्धान्त वर्गीकरण, उत्पत्ति, वर्षा एवं वर्षा के प्रकार, बादल, वर्गीकरण, विशेषताएं

इकाई 12— वायुराशियाँ, अर्थ एवं संकल्पना, विशेषतायें, तथा वर्गीकरण, विश्व की प्रमुख वायुराशियां

खण्ड- 04 महासागरीय धारायें- उत्पत्ति एवं प्रकार

इकाई 13— वाताग्र एवं उसके प्रकार, चक्रवात, अर्थ एवं परिभाषा, शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवात प्रकार एवं उत्पत्ति,

इकाई 14— उष्ण कटिबंधीय चक्रवात-प्रकार एवं उत्पत्ति, संरचना, प्रतिचक्रवात, अर्थ एवं विशेषताएं, प्रकार।

इकाई 15— वायुमंडलीय प्रकोप- तड़ितझंझा, टारनैडो, हरिकेन, बाढ़, सूखा।

खण्ड- 05

इकाई 16— विश्वस्तर पर जलवायु का प्रादेशीकरण- कोपेन तथा थार्नथ्वेट के द्वारा सीमांकित जलवायु प्रदेशों का वर्गीकरण एवं विशेषताएं

इकाई 17—जलवायु के प्रकार एवं उनका वितरण, उष्णकटिबंधीय वर्षा वन जलवायु, उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु, सवाना तुल्य जलवायु, टुण्ड्रा जलवायु

इकाई 18— जलवायु परिवर्तन : अर्थ एवं संकल्पना, जलवायु परिवर्तन: के कारक एवं प्रभाव

इकाई 19— प्रदूषण - वायु प्रदूषण, अम्ल वर्षा, वायु प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य एवं वनस्पतियों पर प्रभाव, हरित गृह प्रभाव, ओजोन क्षरण

इकाई 20— व्यावहारिक जलवायु विज्ञान-परिभाषा, जलवायु एवं कृषि, जलवायु एवं मानव स्वास्थ्य, जलवायु एवं जीवमंडल।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची-

- डी.एस.लाल, जलवायु एवं समुद्र विज्ञान - शारदा पुस्तक भवन, यूनिवर्सिटी रोड, प्रयागराज
- प्रो. सविन्द्र सिंह, जलवायु एवं समुद्र विज्ञान - प्रवालिका पब्लिकेशन्स, यूनिवर्सिटी रोड, प्रयागराज
- Lydolph.P.E.: The Climate of the Earth.
- King, C.A. (1986): Oceanography, C.E. Arnold, London.

MAGO-106 समुद्र विज्ञान

खण्ड- 01 समुद्र विज्ञान: परिभाषा, विषय क्षेत्र

इकाई 01— महासागरो का महत्व, परिभाषा एवं विषय क्षेत्र

इकाई 02— समुद्र विज्ञान की शाखायें, समुद्र विज्ञान तथा उससे सम्बन्धित अन्य विषय

खण्ड- 02 महासागरो के नितल का उच्चावच

इकाई 03— महाद्वीपीय मग्न तट, मग्न तटों की उत्पत्ति, महाद्वीपीय मग्न ढाल,

इकाई 04— समुद्री कैनियन एवं उनकी उत्पत्ति, गहरे समुद्री मैदान, महासागरीय गर्त

इकाई 05— प्रशान्त महासागर— आकार एवं विस्तार, प्रशान्त महासागर के नितल का उच्चावच, प्रशान्त महासागर के द्वीप

इकाई 06— हिन्द महासागर— आकार एवं विस्तार, हिन्द महासागर के नितल का उच्चावच, तटवर्ती समुद्र

इकाई 07— अंटलाटिक महासागर— आकार एवं विस्तार, नितल के उच्चावच अंटलाटिक महासागर के द्वीप

खण्ड- 03 महासागरीय तल की लवणता तथा महासागरीय निक्षेप

इकाई 08— महासागरीय जल का संघटन, लवणता का वितरण

इकाई 09— लवणता के नियन्त्रक कारण, महासागरीय जल की लवणता का ऊर्ध्वाधर वितरण

इकाई 10— लवणता का प्रादेशिक वितरण—प्रशान्त महासागर, हिन्द महासागर

इकाई 11— महासागरीय निक्षेपों के स्रोत, महासागरीय मग्नतर एवं मग्न ढाल के निक्षेप, जैविक एवं कार्बनिक निक्षेप

खण्ड- 04 महासागरीय धारायें— उत्पत्ति एवं प्रकार

इकाई 12— महासागरीय धाराओं की उत्पत्ति, धाराओं की उत्पत्ति के लिए उत्तरदायी कारण

इकाई 13— धाराओं को प्रभावित करने वाले कारक, धाराओं के प्रकार, महासागरीय धाराओं का महत्व

इकाई 14— विभिन्न महासागरों की प्रमुख जलधाराएं

खण्ड- 04 ज्वार-भाटा एवं प्रवाल भित्ति

इकाई 15— ज्वार-भाटा की उत्पत्ति के कारण एवं विशेषताएं

इकाई 16— ज्वार-भाटे के प्रकार, ज्वार-भाटा के प्रभाव

इकाई 17— ज्वार-भाटा की उत्पत्तिके सिद्धान्त, ज्वार-भाटा से ऊर्जा उत्पादन

इकाई 18— प्रवाल-भित्तियों— निर्माण के लिए आवश्यक दशाएं, प्रवाल के प्रकार, प्रवाल- भित्तियों की उत्पत्ति सिद्धान्त, प्रवाल विरंजन

इकाई 19— समुद्री संसाधन, सागरीय ऊर्जा संसाधन, समुद्री प्रदूषण के स्रोत

खण्ड 1 जनसंख्या भूगोल: अर्थ, विषय क्षेत्र एवं विकास

- इकाई—1 भूगोल में जनसंख्या अध्ययन, जनसंख्या भूगोल की परिभाषा, एवं विषय-क्षेत्र
इकाई—2 जनसंख्या भूगोल के उपागम, जनसंख्या भूगोल का विकास
इकाई—3 जनसंख्या भूगोल और अन्य सामाजिक शास्त्र, भारत में जनसंख्या भूगोल

खण्ड 2 जनसंख्या वितरण एवं घनत्व तथा जनसंख्या वृद्धि

- इकाई—4 संकल्पना एवं महत्व, जनसंख्या के वितरण एवं घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक
इकाई—5 जनसंख्या का विश्व-वितरण – अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र, मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र, अल्प तथा अत्यल्प जनसंख्या वाले क्षेत्र, जनरिक्त क्षेत्र
इकाई—6 जनसंख्या घनत्व— प्रकार, जनसंख्या घनत्व का विश्व वितरण
इकाई—7 भारत में जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व
इकाई—8 विश्व में जनसंख्या वृद्धि, भारत में जनसंख्या वृद्धि,

खण्ड 3 प्रजननता एवं मृत्युता

- इकाई—9 प्रजननता का अर्थ, प्रजननता के निर्धारक
इकाई—10 विश्व में प्रजननता प्रतिरूप, भारत में प्रजननता
इकाई—11 मृत्युता का अर्थ, मृत्युदर में भिन्नता के कारण, भारत में मृत्युता

खण्ड 4 जनसंख्या संघटन

- इकाई—12 लिंगानुपात के परिकलन की विधियाँ, लिंगानुपात के प्रकार
इकाई—13 विश्व में लिंगानुपात प्रतिरूप, भारत में लिंगानुपात प्रतिरूप
इकाई—14 आयु संघटन को प्रभावित करने वाले कारक, विश्व में आयु संरचना।

खण्ड 5 साक्षरता एवं नगरीकरण तथा जनसंख्या के सिद्धान्त

- इकाई—15 साक्षरता का अर्थ, साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारण
इकाई—16 विश्व में साक्षरता प्रतिरूप, भारत में साक्षरता दर में वृद्धि पुरुष तथा स्त्री साक्षरता में अन्तर।
इकाई—17 नगरीयकरण का अर्थ, नगरीयकरण के प्रभाव, भारत में नगरीयकरण।
इकाई—18 माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त, नव माल्थसवाद, अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त

खण्ड 6 जनसंख्या समस्याएँ एवं नीति

- इकाई—19 जनसंख्या से उत्पन्न समस्याएँ, भारत में जनसंख्या की समस्याएँ
इकाई—20 जनसंख्या नीति का अर्थ, आवश्यकता एवं उद्देश्य, भारत की जनसंख्या नीति, मई जनसंख्या नीति

MAGO-108

भौगोलिक चिन्तन के मूलाधार

खण्ड- 01 भौगोलिक चिन्तन की परिवर्तनशील प्रवृत्तियां

इकाई 01— भौगोलिक चिंतन की प्रवृत्तियां—प्राचीन काल

इकाई 02— छायावादी युग

इकाई 03— द्वैतवादी युग

इकाई 04— नियतवाद एवं सम्भववाद, अभिनव प्रवृत्तियाँ।

खण्ड 02—भूगोल का चिन्तन फलक

इकाई 01— भूगोल का परिवर्तनशील चिंतन फलक।

इकाई 02— भूगोल भू-भौतिकी के रूप में।

इकाई 03— भूगोल प्रकृति—मानव अन्तर्सम्बन्ध के रूप में।

इकाई 04— भू वैन्यासिक भूगोल, समाजवादी भूगोल की संकल्पना— पर्यावरण कारणवाद, संविकास।

खण्ड 03—भौगोलिक संकल्पनाएँ

इकाई 01— भूतल की अवधारणा, भूदृश्य की संकल्पना

इकाई 02— प्रादेशिक एवं सांस्कृतिक भूदृश्य, केन्द्र स्थल सिद्धान्त

इकाई 03— तन्त्र की संकल्पना, तन्त्र के प्रकार, भूगोल में तन्त्र विश्लेषण

इकाई 04—मानव पर्यावरण गत्यात्मकता (एकात्मकता)

खण्ड 04— आधुनिकतावाद एवं उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई 01— 20 वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में भूगोल

इकाई 02— शोफर— हार्टशोर्न विवाद

इकाई 03— उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई 04— स्त्रीवाद एवं लैंगिक भूगोल, भूगोल में मात्रात्मक क्रान्ति

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- प्रो. जगदीश सिंह 'भौगोलिक चिंतन के मूलाधार' ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
- डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह — भौगोलिक चिन्तन की समीक्षा, शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- Dicbinron, RE 'The makers of Modern Geography.
- Hartshorne, R- The Nature of Geography.
- Harvey.D. Explanations in Geography, Edward Arnold London.
- Chorley. R.J, Direction in Geography, Methuen, London

MAGO-109 पर्यावरण प्रबन्धन एवं संविकास

Block 1- पर्यावरण परिस्थितिकी तन्त्र एवं मानव

Unit 1-पर्यावरण, जीवमण्डल एवं पारिस्थितिकी तन्त्र

Unit 2- जैव-भूरसायन चक्र

Unit 3-पारिस्थितिकी तन्त्र की स्थिरता

Unit 4-पारिस्थितिकी तन्त्र में अस्थिरता एवं पर्यावरण संकट के कारक

Block 2- पर्यावरण : समृद्धि दुष्चक्र

Unit 5-आर्थिक विकास एवं पर्यावरण संकट

Unit 6-जनसंख्या एवं पर्यावरण हास, निर्धनता एवं पर्यावरण हास

Unit 7-कृषि क्षेत्र में विस्तार, हरित क्रान्ति एवं पर्यावरण हास

Unit 8-नर्मदा परियोजना का विशेष अध्ययन

Block 3- वनस्पति, मिट्टी एवं पारिस्थितिकी तन्त्र

Unit 9-वनस्पति समुदाय, वनस्पति अनुक्रम

Unit 10-विश्व के प्रमुख पारिस्थितिकी तन्त्र, निर्वनीकरण की प्रक्रिया, उसके कारण एवं परिणाम

Unit 11-मिट्टी के तत्व मिट्टी का प्रादेशिक वर्गीकरण

Unit 12-मिट्टी का उत्पादन क्षमता एवं उसमें हास, मिट्टी का कटाव एवं मऊस्थलीयकरण

Block 4- प्रदूषण एवं प्राकृतिक आपदाएँ

Unit 13 - जलप्रदूषण: संकल्पना, विश्वस्तर पर जल प्रदूषण की समस्याएँ एवं उपाय

Unit 14- भूमिगत जल अवक्रमण, प्रदूषण के कारक एवं परिणाम, भारत में जल संकट,

Unit 15- वायु प्रदूषण की संकल्पना, वायु प्रदूषण के कारक, ध्वनि प्रदूषण

Unit 16 भारत में ऊर्जा संकट: सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा एवं बायोगैस

Unit 17- पर्यावरण प्रबन्ध एवं संविकास: संकल्पना, पर्यावरण प्रबन्धन के उपागम,

Unit 18- पर्यावरण प्रबन्धन के सिद्धान्त, संविकास के संकल्पना, संविकास का दर्शन एवं सिद्धान्त, गंगा शुद्धिकरण परियोजना

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- प्रो. जगदीश सिंह: पर्यावरण प्रबन्ध एवं संविकास, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. इराक भरुचा: पर्यावरण अध्ययन
- प्रो. सविन्द्र सिंह: पर्यावरणीय भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, प्रयागराज
- H.M. Saxena: Environmental Geography, Rawat Publication.

MAGO-110

खण्ड-01 मानचित्र एवं मानचित्र प्रक्षेप

इकाई 01—मानचित्र की परिभाषा एवं इतिहास तथा आवश्यकता

इकाई 02—मानचित्र प्रक्षेप— परिभाषा एवं वर्गीकरण

इकाई 03—शंकवाकार प्रक्षेप— एक—मानक अक्षांशवाला शंकु प्रक्षेप, दो मानक वाला शंकु प्रक्षेप, बोन प्रक्षेप— विशेषताएं, रचना एवं उपयोग

खण्ड—02 बेलनाकार प्रक्षेप एवं ध्रुवीय प्रक्षेप

इकाई 01—बेलनाकार प्रक्षेप: गुण—दोष एवं रचना—समक्षेत्र बेलनाकार

इकाई 02—मर्केटर प्रक्षेप, गॉल प्रक्षेप

इकाई 03—ध्रुवीय प्रक्षेप—ध्रुवीय लम्बकोणीय प्रक्षेप, त्रिविमिय ध्रुवीय खमध्य प्रक्षेप, मानचित्र प्रक्षेपों का चयन

खण्ड—03 भौमिकीय मानचित्र

इकाई 01—भौमिकीय मानचित्र की आवश्यकता, संस्तर एवं संस्तर रेखा, नमन, नतिलम्ब

इकाई 02—समविन्यास एवं विषम विन्यास मानचित्र

इकाई 03—बलित संस्तर वाले भौतिक मानचित्र का पार्श्वकाट एवं वर्णन, विषम विन्यास भौतिक मानचित्र की व्याख्या

खण्ड—04 सांख्यिकी

इकाई 01—भूगोल में सांख्यिकीकान्ति, भूगोल में सांख्यिकी की उपयोगिता, आंकड़ों के प्रकार

इकाई 02—सहसम्बन्ध— प्रकार, स्पीयरमैन तथा कार्ल पियर्सनकी विधियों द्वारा सहसम्बन्ध की गणना

इकाई 03—लारेज वक्र, प्रकीर्ण आरेख, उच्चामिति वक्र

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- डॉ. एल.आर सिंह — प्रायोगिक भूगोल के सिद्धान्त, शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. आर.एल. सिंह —Elements of Practical Geography कल्याणी पब्लिकेशन, वाराणसी
- प्रो. हीरा लाल—प्रयोगात्मक भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर
- डॉ. आर.सी. तिवारी — अभिनव प्रयोगात्मक भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. के.एन. सिंह — प्रायोगिक भूगोल के मूलतत्त्व, ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर

MAGO-111 परिवहन भूगोल

खण्ड—01

इकाई 01—परिवहन भूगोल की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र

इकाई 02—क्षेत्रीय अन्तर्प्रक्रिया — परिपूरकता, मध्यवर्ती आपूर्ति स्रोत का अभाव एवं विनिमय क्षमता

इकाई 03—परिवहन के माध्यमों का क्रमिक विकास, परिवहन के माध्यम एवं साधन, प्राचीन काल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल

इकाई 04— परिवहन के माध्यम एवं साधन, परिवहन के माध्यमों का सापेक्षिक महत्व

खण्ड— 02

इकाई 05—मार्गजाल का विश्लेषण—परम्परागत एवं आधुनिक विधियाँ

इकाई 02— ग्राफ सिद्धान्त, प्लानर एवं नान प्लानर ग्राफ, ग्राफ सूचकांक

इकाई 03—अभिगम्यता परिभाषा, प्रकार एवं विश्वलेखण

इकाई 04— सम्बद्धता, परिक्रमणता एवं सूचकांक, डेटूर सूचकांक

खण्ड 03—भारत में रेल परिवहन

इकाई 01—रेल परिवहन — वितरण एवं विकास में असमानता एवं समस्याएं

इकाई 02—सड़क परिवहन— वितरण एवं विकास के असमानता एवं समस्याएं

इकाई 03—जल परिवहन — विद्यमान प्रतिरूप, समस्याएं एवं सम्भावनाएं

इकाई 04—वायु परिवहन का विद्यमान प्रतिरूप तथा समस्याएं एवं सम्भावनाएं

खण्ड 04—भारत में परिवहन एवं प्रादेशिक विकास

इकाई 01—भारत में परिवहन की प्रादेशिक विकास में भूमिका।

इकाई 02—परिवहन नियोजन — संकल्पना, विधितंत्र

इकाई 03—भारत की परिवहन नीति।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- के.एन.सिंह — परिवहन भूगोल, ज्ञानोदय प्रकाशन
- जगदीश सिंह — परिवहन एवं व्यापार भूगोल, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, उ.प्र.
- Eliot Hurst- Transport Geography.

MAGO-112

राजनीतिक भूगोल

खण्ड 01—राजनीतिक भूगोल

इकाई 01 — राजनीतिक भूगोल— परिभाषा, विषय क्षेत्र।

इकाई 02 — राज्य — राष्ट्र संकल्पना

इकाई 03 — सीमान्त एवं सीमाओं का राजनीतिक भूगोल।

खण्ड 02—राज्य की संरचना

इकाई 01 — राज्य की संरचना मूलक्षेत्र,

इकाई 02 —आधार क्षेत्र एवं राजधानियाँ

इकाई 03 — भू-राजनीतिक सिद्धान्त।

खण्ड 03—संघवाद

इकाई 01— संघवाद की संकल्पना तथा भौगोलिक आधार,

इकाई 02— भारत की राजनीतिक भौगोलिक समस्याएँ,

इकाई 03— अन्तर्राज्य सीमा विवाद।

खण्ड 04—निर्वाचन भूगोल

इकाई 01 — निर्वाचन भूगोल का अर्थ, उद्देश्य एवं प्रासंगिकता।

इकाई 01 — मतदान व्यवहार का भौगोलिक अध्ययन।

इकाई 03 — निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण।

खण्ड 05—विश्व राजनीतिक एवं पर्यावरण

इकाई 01 — विश्व राजनीतिक एवं पर्यावरणीय समस्याएं

इकाई 02 — विश्व के प्रमुख समस्याग्रस्त क्षेत्र

इकाई 03 —हिन्द महासागर का भू- राजनीतिक महत्व।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- डॉ. पी.आर. चौहान, राजनीतिक भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
- C. Gallaher - Key Concepts in Political Geography, Sage Publications.

MAGO-113

परियोजना कार्य (वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

स्थानीय स्तर पर प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़ों की सहायता से संसाधन एवं सामाजिक आर्थिक विकास केन्द्रित परियोजना रिपोर्ट, जो मानचित्र एवं आरेख के अतिरिक्त न्यूनतम 50 पृष्ठों में हो।

